पत्रकारों के हित में आंदोलन को स्थानीय समाचार पत्रों का समर्थन

पत्रकारोंकी वेदना का हुंकार!

जलगांव के पत्रकार किशोर पाटील ने जब एक पत्रकार के जीवन को कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया तो उपस्थित सौ से अधिक पत्रकारों की आंखों से आंसू छलक पड़े। अमरावती में कुछ लोगों ने ईमानदारी से काम करने पर अफसोस जताते हुए कहा कि जब कोई पत्रकार बीमार पड़ता है या उसका एक्सीडेंट हो जाता है तो उसके परिवार की हालत खराब हो जाती है। यहां तक कि महानगरों में काम करने वाले मशहूर पत्रकारों को भी जिला, तालुका, गांव स्तर के पत्रकारों से कोई सरोकार नहीं है। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था में चौथा स्तंभ माने जाने वाले क्षेत्र के आम पत्रकारों का दर्द संवाद यात्रा में जगह-जगह से उभरकर सामने आया।

भारत के इतिहास में पहली बार समाज के मुद्दों को उठाने वाली स्थानीय मीडिया की मांगों को लेकर दीक्षाभूमि से मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रा २८ जुलाई २०२४ को नागपुर से शुरू हुई। महासचिव विश्वास अरोटे और कार्यकारी अध्यक्ष यात्रा आयोजक प्रवीण सपकाले की योजना में पहले दिन विभिन्न पचास सामाजिक संगठनों ने पत्रकारों की न्यायोचित मांगों का समर्थन किया। हालाँकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकार एक प्रमुख तत्व है, लेकिन इस तत्व की स्थिति क्या है? कोरोना के बाद अखबारों की खपत कम हो गई। कई अखबारों ने प्रकाशन बंद कर दिया। स्थानीय अखबारों को मिलने वाले विज्ञापन कम हो गये। परिणामस्वरूप, उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य के बीच अंतर के कारण अखबार चलाना मुश्किल हो गया। नतीजा यह हुआ कि १०-२० साल तक काम करने वाले पत्रकारों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। नौकरी करने वालों के लिए बहुत कम वेतन पर काम करने का समय आ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के संवाददाताओं को पारिश्रमिक मिलना भी बंद हो गया है। समाचार चैनलों में काम करने वाले पत्रकारों को पहले न्यूज़ स्टोरी के आधार पर पारिश्रमिक मिलता था, अब उन्हें बिना किसी सुविधा के खबरों का कोटा दिया जा रहा है। इस हकीकत को हर जगह पत्रकारों ने पेश किया।

प्रत्येक उत्पाद की कीमत (एमआरपी) निर्धारित करने की रणनीतियाँ हैं। तो अखबारों के बारे में क्या? ये सवाल भी उठे। इस बीच, जिला, तालुका, ग्राम स्तर के समाचार पत्र और पत्रकार संकट में थे क्योंकि बड़े समाचार समूहों ने सस्ते अखबार के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू कर दी थी। बेरोजगारी की गाज अन्य कर्मचारियों पर गिरी। सभी मीडिया में पत्रकार विभिन्न समस्याओं से त्रस्त हैं। लेकिन समाज के मुद्दों को उठाने वाले इन पत्रकारों को अपने ही मीडिया में अपनी समस्याओं को उठाने के लिए कोई जगह नहीं है। ईमानदार पत्रकार को शुरू में लालच दिया जाता है, अन्यथा सच लिखने वाले पत्रकार को तो मीडिया समूह ही किनारे कर देता है। समाचार छपने या प्रकाशित होने के बाद यदि कोई आपत्ति हो तो इसकी अपील न्यायालय में की जानी चाहिए, लेकिन हाल ही में पत्रकारों पर सीधे आपराधिक मामले दर्ज कर उन्हें परेशान किया जा रहा है और कुछ वर्गों द्वारा पूरे मीडिया क्षेत्र को बदनाम करने के लिए जानबूझकर कुछ घटनाओं को उजागर किया जा रहा है।स्थानीय स्तर पर पत्रकारों ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि मीडिया के वरिष्ठ नेता भी तथ्यों को देखे बिना उपदेश देकर बच निकलते हैं। कोई भी व्यवस्था प्रश्न पूछने वाले, सच बोलने वाले पत्रकार नहीं चाहती। मीठा बोलने वाले, तारीफ करने वाले अच्छे लगते हैं। हाल ही में तमाम राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पत्रकारिता से जुड़े कई लोगों को नौकरी पर रखकर पीआर बनाया है। इसलिए उन्हें लगता है कि पूरा मीडिया और पत्रकार उनके साथ हैं। परिणामस्वरूप, शासकों और राजनेताओं ने एकतरफ़ा संवाद शुरू कर दिया है और सवाल-जवाब तथा चौतरफ़ा संवाद कम कर दिया है। पत्रकार समाज का एक प्रमुख घटक हैं और देश भर में ३५ हजार करोड़ से अधिक का बड़ा व्यवसाय होने के कारण अब लाखों लोगों का रोजगार इस पर निर्भर है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार को इस क्षेत्र को आर्थिक स्तर पर भी सशक्त बनाने के लिए रणनीतिक निर्णय लेना चाहिए। पत्रकार अब कह रहे हैं कि अगर सरकार केवल वोटों को आधार मानकर किसी इकाई को न्याय देने की सोच रही है तो हर पत्रकार विचारों का पुलिदा है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम बीस पत्रकार सक्रिय हैं। चूंकि हर पत्रकार के मोबाइल फोन में २००० से अधिक नंबर होते हैं, इसलिए पत्रकारों का संपर्क आम आदमी से लेकर गांव के मुखिया तक होता है। पत्रकारों को इस बात का एहसास होने लगा है कि यदि प्रत्येक पत्रकार व्यक्तिगत स्तर पर पांच सौ मतदाताओं को भी जागृत कर दे तो वे महाराष्ट्र के २८८ विधानसभा क्षेत्रों में तीन लाख से अधिक वोटों को आसानी से प्रभावित कर सकते हैं। लोकतंत्र में सरकार वोट संख्या के आधार पर बनती है और अगर बनने वाली सरकार न्याय के लिए वोट के बारे में ही सोचती है तो पत्रकारों को भी सचेत होकर सोचना चाहिए।

नागपुर से शुरू हुई यात्रा का स्थानीय पत्रकारों ने बढ़-चढ़कर स्वागत किया। एक की ताकत कितनी होती है? इसके सबूत में जिला, तालुक और शहर स्तर पर पत्रकार एकजुटता में नारे लगा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह हकीकत सामने आने लगी है कि पत्रकार छोटा पैकेट बड़ा धमाका है। नागपुर, वर्धा, अमरावती, अकोला, शेगांव, जलगांव, धुले से लेकर शिर्डी तक की यात्रा में ग्रामीण स्तर के पत्रकारों ने विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को शामिल किया और पत्रकार यात्रा के पहले चरण में ही जनसंवाद को बदल दिया। आम नागरिकों ने भी हर जगह रुचि दिखाई। आशा है कि आम पत्रकारों को अपने पास जो वोट हैं उनकी ताकत का एहसास होगा और यह यात्रा मीडिया क्षेत्र को और अधिक सशक्त और प्रतिष्ठित बनाने में सफल होगी।

-वसंत मुंडे

■

छ. संभाजीनगर

डॉ. भागवत कराड
(पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री)

"वसंत मुंडे ने पहली बार प्रेस संवाद यात्रा के माध्यम से पत्रकारों की मांगों को सामने ला रखा है। मैं इस बारे में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से बात करूंगा। शून्यकाल में भी पत्रकारों की मांगों को लेकर राज्यसभा में आवाज उठाऊंगा।"

क्रांति चौक पर समाचार पत्र विक्रेताओं की ओर से स्वागत...

समाचार पत्र दिडी में डॉ. भागवत कराड...

समाचार पत्र दिडी में सहभागी अखबार विक्रेता और पत्रकार...

प्रेस संवाद यात्रा की जानकारी देने वाले पोस्टर विभिन्न स्थानों पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रकाशित किये गये। ये उसी की चुनिदा तस्वीरें हैं।

केंद्रीय मंत्री एड. प्रतापराव जाधव

मंत्री धनंजय मुंडे एवं मा. दिलीप वलसे पाटील

छ. संभाजीनगर में समाचार पत्र विक्रेता

संपादक प्रवीण आहुजा

निफाड में नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल कुंडे

निफाड पो.स्टे. के पी.आई. गणेश गुरव।

पारनेर में सूचना प्रौद्योगिकी समिति के क्षेत्रीय अध्यक्ष जितेश सारदे, सुरेश खोसे पाटील।

छ. संभाजीनगर

दीक्षाभूमि से मंत्रालय प्रेस संवाद यात्रा का दूसरा चरण छत्रपति संभाजीनगर से क्रांति चौक पर अखबार दिडी के साथ निकला। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे ने पत्रकार भवन में पत्रकारों से बातचीत की। इस मौके पर बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद थे।

प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष डॉ. प्रभु गोरे, शांताराम मगर, अनिल सावंत...

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पत्रकार...

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधी

पत्रकार संवाद यात्रा को विभिन्न संगठनों से लिखित समर्थन।

गेवराई

बीड जिले के गेवराई शहर में लाल बहादूर शास्त्री चौक पर स्थानीय पत्रकारों ने संवाद यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर पत्रकार एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्थानीय मीडिया से बात करते हुए वसंत मुंडे...

शास्त्री चौक पर स्वागत करते हुए तालुका अध्यक्ष अंकुश आतकरे, सुभाष सुतार...

विश्वास आरोटे, वैभव स्वामी, अनिल सावंत पुरस्कार स्वीकार करते हुए।

स्थानीय अखबारों का संबल

बीड

बीड के सामाजिक न्याय भवन में संवाद यात्रा का स्वागत छत्रपति शिवाजी महाराज और लोकशाहीर अन्ना भाऊ साठे की प्रतिमा को नमन कर किया गया। समाचार पत्र विक्रेता संघ के पदाधिकारियों, संपादकों–पत्रकारों की उपस्थिति में विक्रेताओं को बीमा प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

स्वागत करते हुए समाचार पत्र विक्रेता संघ के सुदाम चव्हाण, बेदरकर और वाघिरे...

विक्रेताओं को बीमा प्रमाणत्रों का वितरण...

उपस्थित विक्रेता, पत्रकार...

सामाजिक, राजनीतिक संगठनों का संवाद यात्रा को समर्थन

केज, पाली, चौसाला

बीड़, केज, पाली, मांजरसुम्बा और चौसाला आदि गांवों में स्थानीय पत्रकारों ने यात्रा का स्वागत किया। विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों, सरपंचों ने समर्थन की घोषणा कर भाग लिया।

मांजरसुम्बा में स्वागत करते हुए अशोक कालकुटे...

पाली में स्वागत के दौरान ग्राम पंचायत सदस्य।

चौसाला में वरिष्ठ पत्रकार एन. टी. वाघमारे स्वागत करते हुए...

जानकारी संवाद
यात्रा की,
प्रकाशन हुआ
पोस्टर का।

मनसे अध्यक्ष माननीय राज ठाकरे और प्रभु गोरे।

खेल मंत्री मा. संजय बनसोड और अशोक देडे।

अलीबाग सूचना अधिकारी और शैलेश पालकर।

शिक्षा मंत्री माननीय दीपक केसरकर और नीलेश सोमानी।

नागपुर के एक धार्मिक स्थल पर प्रदीप शेंडे।

जिला अध्यक्ष डॉ. प्रभु गोरे और उनकी टीम।

पूर्व पुलिस महानिदेशक मा. संजयजी पांडे द्वारा प्रकाशित।
प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण सपकाले, सचिन गोसावी, भूषण महाजन आदि।

धाराशिव

धाराशिव जिले में प्रवेश के बाद संवाद यात्रा की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को नमन किया गया। स्थानीय पत्रकारों से बातचीत की। विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों के कार्यकर्ताओं ने यात्रा का खुलकर समर्थन किया।

धाराशिव जिला अध्यक्ष धनंजय पाटील, लातूर जिला अध्यक्ष अशोक देडे...

प्रेस को संबोधित करते हुए...

गणमान्यों के द्वारा स्वागत स्वीकार करते हुए...

विभिन्न स्थानीय अखबारों ने संवाद यात्रा को समाचारों में ढेर सारी जगह दी।

तुलजापुर

यात्रा की शुरुआत तुलजापुर में तुलजाभवानी देवी के दर्शन के साथ हुई। सरकारी छुट्टी के दिन स्थानीय पत्रकारों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्वागत किया और विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

स्वागत स्वीकारते हुए पदाधिकारी...

स्वागत करते हुए अरुण लोखंडे...

तुलजापुर शहर के पत्रकार...

संवाद यात्रा के मार्ग में जगह–जगह पोस्टर प्रकाशित किये गये।

यात्रा के दूसरे चरण की कुछ चुनिदा तस्वीरें।

माननीय शरद चंद्र पवार और नीलकांत मोहिते।

मंत्री माननीय सुधीर मुनगुंटीवार और नीलेश सोमानी।

मंत्री माननीय राधाकृष्ण विखे पाटील और नीलेश सोमानी।

माननीय सांसद सुप्रिया सुले और विश्वास आरोटे, दत्ता गाडगे।

माननीय विधायक संजय शिरसाट और प्रभु गोरे, अनिल सावंत।

माननीय विधायक यशोमति ठाकुर और नयन मोंढे, प्रवीण शेगोकर।

पुणे में जिला अध्यक्ष राकेश वाघमारे।

सोलापुर

सोलापुर शहर में यात्रा का स्वागत श्रमिक पत्रकार संघ की ओर से ढोल नगाड़ों के साथ किया गया। इस प्रेस वार्ता में स्थानीय पत्रकारों ने कई विषय प्रस्तुत किये।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ पत्रकार दत्ता थोरे...

उपस्थित पत्रकार...

स्वागत करते हुए श्रमिक पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारी...

पत्रकारों की माँगों
को अखबारों के
समाचारों से संबल।

पंढरपुर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर पत्रकार संवाद यात्रा पंढरपुर शहर पहुंची। सुबह स्थानीय विद्यालय में ध्वजारोहण किया गया। फिर स्थानीय पत्रकारों से बातचीत की।

एक संवाददाता सम्मेलन में पश्चिम महाराष्ट्र क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र कोरके पाटील...

उपस्थित पत्रकार...

ध्वजारोहण समारोह में बोलते हुए वसंत मुंडे...

पत्रकारों की संवाद यात्रा महाराष्ट्र में अपनी तरह की पहली गतिविधी है। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा यात्रा के बारे में जानकारी देने वाले पोस्टर्स का उत्साहपूर्वक विमोचन।

विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झिरवाल।

विमोचन के दौरान दत्ता गाडगे और स्थानीय पत्रकार।

ठाणे जिला सूचना अधिकारी मनोज सानप।

दैनिक सकाळ के संपादक संतोष शालिग्राम एवं प्रभु गोरे।

ठाणे मनपा में प्रकाशन करते हुए अतिरिक्त आयुक्त, मंडल अध्यक्ष नितिन शिदे।

सांगोला

माननीय विधायक
शहाजीबापू पाटील

"वास्तव में समाज में क्या चल रहा है, राजनेताओं की दिशा क्या है, ये सब अखबारों के कारण ही लोगों के सामने आता है। आप जागरूकता पैदा करते हैं। आपकी तुलना बुलडोज़र से की जानी चाहिए। वह रास्ते में रुकावट बनने वाली हर चीज को कुचल देता है और आगे बढ़ता है! संवाद यात्रा ने पत्रकारों की समस्याओं को चर्चा में ला दिया है। सरकार नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती।"

विधायक शहाजीबापू के साथ...

शहर में स्वागत करते हुए सतीश सावंत...

यात्रा का बाजे-गाजे के साथ स्वागत...

समान व्यवसायी बंधुओं
की मांगों को इलेक्ट्रॉनिक,
डिजिटल मीडिया
का समर्थन।

सांगली

मा. संजय भोकरे

"महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे ने संवाद यात्रा के माध्यम से राज्य को नापते हुए पत्रकारों में आत्मविश्वास जगाया है। संगठन से ही न्याय मिलता है। पत्रकारों को यह याद रखना चाहिए।"

स्वागत करते हुए संजय भोकरे, सिद्धार्थ भोकरे, प्रताप मेटकरी।

संवाद करते हुए...

उपस्थित पत्रकार...

घोषणा पत्र के माध्यम से संवाद यात्रा को संगठनों का समर्थन

कोल्हापुर

कोल्हापुर शहर में राजर्षि शाहू महाराज की प्रतिमा को प्रणाम करने के बाद यात्रा का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। शाम को प्रेस हॉल में और सुबह राज्य प्रेस एसोसिएशन के कार्यालय में स्थानीय पत्रकारों से लंबी बातचीत हुई।

वसंत मुंडे प्रेस एसोसिएशन में बोलते हुए...

स्वागत करते हुए बाजीराव फराकटे, श्रेयश भगत...

प्रदेश पत्रकार संघ में स्वागत करते हुए जिला अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील...

स्थानीय मीडिया से मिला हुआ समाचार–समर्थन

शिराळा

मा. विधायक सदाभाऊ खोत

“यह एक बड़ी सफलता मानी जाती है कि पहली बार शुरू हुई पत्रकार संवाद यात्रा ने राज्य में पत्रकारों के बीच एक संवाद पुल बनाया है।चूंकि वसंत मुंडे एक पत्रकार और आंदोलन में सक्रिय कार्यकर्ता हैं, इसलिए मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि राज्य के पत्रकारों को उनके साथ रहना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए।

विधायक सदाभाऊ खोत की ओर से स्वागत...

विधायक सदाभाऊ खोत और वसंत मुंडे...

पत्रकार संवाद यात्रा में स्वागत...

स्थानीय मीडिया की जोश भरी प्रतिक्रिया

कराड

महाराष्ट्र के प्रथम मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण के समाधिस्थल प्रीतिसंगम पर नमन। इसके बाद कराड शहर में स्थानीय पत्रकारों, विभिन्न राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। विश्राम गृह में पत्रकारों से मुक्त संवाद हुआ।

कराड में प्रीतिसंगम यहाँ नमन करते हुए...

ज़िला अध्यक्ष प्रवीण कांबले, अमित खाड़े स्वागत करते हुए...

प्रीतिसंगम पर...

तलबीड

तलबीड में सेनापती हम्बीरराव मोहिते की समाधि पर आरती की गई। ग्राम पंचायत में पदाधिकारियों द्वारा स्वागत एवं सार्वजनिक समर्थन किया गया।

तलबीड़ ग्राम पंचायत में स्वागत करते हुए ग्रामीण...

स्वागत करते हुए प्रवीण कांबले एवं साथी।

विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की ओर से स्वागत...

कराड

माननीय भरतनाना पाटील

(प्रदेश महासचिव भाजपा)

"पत्रकार समाज का एक प्रमुख घटक है। इस घटक की समस्याओं को लेकर शुरू हुई संवाद यात्रा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। हम पत्रकारों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि मांगें स्वीकार की जाएं।"

पूर्व विधायक मा. आनंदराव पाटील, रमेश लवटे...

कराड शहर में मौजूद पत्रकार...

सामाजिक संगठनों का समर्थन स्वीकार करते हुए विश्वास आरोटे, अमित खाड़े, प्रवीण कांबले।

नागठाणे

नागठाणे में स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा को नमन करने के बाद कला, कॉमर्स एवं विज्ञान महाविद्यालय में प्रोफेसरों एवं पत्रकारों ने स्वागत एवं संवाद किया।

कॉलेज में बोलते हुए वसंत मुंडे, मंच पर मौजूद गणमान्य...

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी राखी बांधते हुए, साथ में तालुका अध्यक्ष दत्ता घाडगे।

स्वागत करते पुलिस अधिकारी...

उंब्रज

मा. धैर्यशील कदम

"ग्रामीण पत्रकारों को वित्तीय स्थिरता या सुरक्षा नहीं मिलती है। वे केवल प्रशंसा से पोषित नहीं होते हैं। उन्हें योजना के माध्यम से सरकार से समर्थन मिलना चाहिए। वसंत मुंडे ने पत्रकार संवाद यात्रा के माध्यम से मांगों को मुखर किया है तो वे सफल होंगे। हम भी सरकार से फॉलो अप लेंगे"

संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए वसंत मुंडे...

उपस्थित पत्रकार...

स्वागत करते हुए मा. धैर्यशील कदम...

फलटण

क्रांति सिह नाना पाटील की प्रतिमा को नमन करते हुए यात्रा शहर में पहुंची। विश्राम गृह में स्थानीय पत्रकारों ने गर्मजोशी से स्वागत किया और बातचीत की।

फलटण में बोलते हुए वसंत मुंडे...

शहर में स्वागत करते हुए वरिष्ठ पत्रकार रमेश आढाव, गोविद मोरे...

लोणंद में संपादक मुजीब शेख, चंदन पठान ने स्वागत किया...

बारामती

विधायक दत्तात्रेय भरणे

"हर कोई जानता है कि ग्रामीण इलाकों में पत्रकार कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। वसंत मुंडे ने इन सामान्य पत्रकारों के लिए सीधी संवाद यात्रा आयोजित करके ध्यान आकर्षित किया है। इंदापुर में पत्रकारों ने कोरोना के दौरान बहुत अच्छा काम किया है।"

स्वागत करते हुए विधायक दत्तामामा भरणे, प्रवीणभैया माने, नीलकंठ मोहिते ...

बारामती अध्यक्ष संतोष जाधव, विश्वास आरोटे...

स्वागत करते हुए स्थानीय कलाकार।

बारामती

पत्रकार संवाद यात्रा पहुंची बारामती। इस समय तालुके से पत्रकारों उपस्थित रहकर स्वागत किया। स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने समर्थन दिया।

पत्रकारों से बात करते हुए...

बारामती तालुके के पत्रकारों के साथ...

पत्रकार संवाद यात्रापुणे ग्रामीण जिला अध्यक्ष नीलकंठ मोहिते, संतोष जाधव, सागर शिदे...

हड़पसर

पुणे शहर के हडपसर इलाके में संवाद यात्रा का स्थानीय पत्रकारों और राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। सभागृह में पत्रकारों और स्थानीय लोगों से खुलकर बातचीत हुई।

हडपसर में स्वागत समारोह में बोलते हुए वसंत मुंडे...

स्वागत करते हुए शहर जिला अध्यक्ष राकेश वाघमारे...

राकेश वाघमारे, विश्वास आरोट, प्रवीण सपकाले, भूषण महाजन...

पिपरी चिचवड़

विधायक अण्णा बनसोडे

संवाद यात्रा का पुणे–पिपरी चिचवड़ क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। स्थानीय विधायक अण्णा बनसोडे एवं शिव सेना राज्य संगठक मा. गोविद घोलवे उपस्थित रहे और समर्थन दिया।

कार्यक्रम में बोलते हुए वसंत मुंडे...

पिंपरी चिंचवड में स्वागत करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष नितीन शिंदे, पराग कुंकुलोळ...

स्थानिक पत्रकारों के साथ पुणे ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजोग काळदंते, अतुल क्षीरसागर...

खोपोली

डॉ. सुनील पाटील

पत्रकारों की भी समस्याएं हैं और हम सरकार द्वारा उनका समाधान कराने में पूरा सहयोग करेंगे। संवाद यात्रा के माध्यम से पत्रकारों की एकता देखने को मिल रही है और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।

स्वागत करते हुए डॉ. सुनील पाटील, रायगढ़ जिला अध्यक्ष राकेश खराडे...

वरिष्ठ अधिकारी शैलेश पालकर, खालापुर अध्यक्ष राहुल जाधव...

स्थानीय पत्रकारों की ओर से स्वागत...

पनवेल

मुम्बई के प्रवेश द्वार पनवेल (जिला रायगढ़) में पत्रकार संवाद यात्रा का स्थानीय पत्रकारों ने बड़ी धूमधाम से स्वागत किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के पत्रकार शामिल हुए और खुलकर बातचीत की।

पनवेल में संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए वसंत मुंडे...

स्वागत करते हुए शैलेश पालकर, शैलेश चव्हाण, सुनील पाटील...

उपस्थित पत्रकार...

पनवेल

पूर्व सांसद रामसेठ ठाकुर

रामसेठ ठाकुर ने पनवेल में मुलाकात कर पत्रकारों की मांगों का समर्थन किया। पत्रकारों की न्यायोचित मांगों को लेकर निकली संवाद यात्रा सफल होगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पत्रकारों के लिए विकास निगम की स्थापना की जानी चाहिए।

पनवेल नगर निगम के नेता विपक्ष प्रीतम म्हात्रे...

बाजे-गाजे के साथ स्वागत...

खालापुर में स्वागत करते स्थानीय पत्रकार...

नवी मुंबई

पत्रकार संवाद यात्रा का नवी मुंबई में संभाजी ब्रिगेड, विधि संगठन समेत कई सामाजिक संगठनों और पत्रकारों ने स्वागत किया। इस अवसर पर नागरिकों एवं संगठनों के पदाधिकारियों ने संवाद यात्रा की भूमिका जान ली।

संभाजी ब्रिगेड के शिवश्री मारुति खुटवड, नवी मुंबई के अध्यक्ष दशरथ चव्हाण...

नवी मुंबई में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष वसंत मुंडे...

एड. सोमनाथ गायकवाड और शिवश्री मारुति खुटवड...

ठाणे

पत्रकार संवाद यात्रा की शुरुआत ठाणे शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को प्रणाम करके की गई। स्थानीय पत्रकारों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर यात्रा का उत्साह बढ़ाया।

संवाद यात्रा का ठाणे शहर में पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया...

सामाजिक कार्यकर्ता नानजीभाई, कोंकण क्षेत्रीय अध्यक्ष नितिन शिंदे...

गुरुद्वारे में स्थानीय पत्रकारों के साथ...

पत्रकारों की कथा और व्यथा की संवाद यात्रा!

प्रेस वार्ता में वरिष्ठ पत्रकार बताने लगे, उम्र ७० साल, कोई काम नहीं देता, दिया भी तो स्वास्थ्य के कारण करना संभव नहीं है। बालशास्त्री जाम्भेकर सम्मान सेवानिवृत्ति योजना का प्रस्ताव चार साल से अटका पड़ा है। जीवन भर निष्ठा और ईमानदारी से काम करके क्या मिला? यह एक सवाल है। मीडिया क्षेत्र से रिटायर हो चुके लोगों की क्या स्थिति है? इसकी डरावनी हकीकत सामने आ गई। तो कई जगह सच लिखने के बाद आप सीधे मुकदमा दायर कर मुसीबत में कैसे पड़ गए? इन घटनाओं का वर्णन करते समय जिन स्थितियों का सामना करना पड़ा उनकी डरावनी तस्वीर सामने आ गई। यहां तक कि मीडिया समूह से भी अब पारिश्रमिक नहीं मिलता। विज्ञापन भी नहीं मिलते। सरकार की ओर से कोई सहयोग नहीं मिल रहा है। ऐसी स्थिति से उत्पन्न वित्तीय संकट अकथनीय और असहनीय हो गया है। अपना दर्द किससे कहें? ऐसे सवालों से परेशान कई लोगों ने अपनी बात रखी। कुछ जगहों पर मोबाइल हाथ में आने से गलत बातें हवा की गति से फैलती हैं। इससे सिस्टम, समाज के साथ-साथ ईमानदारी से काम करने वाले पत्रकारों को कैसे नुकसान पहुंचता है? ऐसी घटनाओं के साक्ष्य प्रस्तुत किये। जब मीडिया और पत्रकारों ने कई कहानियाँ बताईं कि कैसे पुलिस को चार पहियों और दो पहियों पर प्रेस लिखने के दबाव का सामना करना पड़ता है, तो मीडिया क्षेत्र के लिए एक राज्य प्रेस परिषद बनाने का विचार सामने आया।

दीक्षाभूमि से मंत्रालय पत्रकार संवाद यात्रा का दूसरा चरण छत्रपति संभाजीनगर के क्रांति चौक से अखबार विक्रेताओं द्वारा समाचार पत्र दिडी के साथ शुरू हुआ। जिनका आदर्श सामने रखकर युवा पत्रकारिता में आते हैं उनकी हालत आज क्या है यह देखकर इस क्षेत्र की डरावनी हकीकत सामने आती है। कई विद्वान सलाह देते हैं कि पत्रकारों को आधा सच नहीं पेश करना चाहिए। लेकिन बीड, धाराशिव, पंढरपुर, सांगोला के पत्रकारों ने सच लिखने के बाद किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, इसकी कई कहानियाँ प्रस्तुत कीं। तब मीडिया संस्थान ने 'तुमने ही गलती की होगी' यह इनाम देकर हाथ झाड़ लिया। दूसरी सच्चाई यह है कि पत्रकारों से हमेशा सच्चाई की उम्मीद रखने वाला कोई भी व्यक्ति मदद के लिए नहीं आया। फिर इस पवित्र क्षेत्र में ईमानदारी से काम करने वालों की संख्या कम हो गयी है ऐसी झूठी शिकायत करने वालों को कभी उस पत्रकार की बात समझ आई है जिसे मुसीबत में डाला गया था? पत्रकार सुरक्षा कानून लागू नहीं किया जा रहा है। इसके विपरीत, खबर छापी या दिखाई तो कई जगहों पर सीधे तौर पर पत्रकार के खिलाफ अपराध दर्ज किए गए हैं। संवाद यात्रा के दौरान पत्रकार खुलकर बोलने लगे। हर गांव में पत्रकार समस्याएं बता रहे थे और उनका समाधान भी दे रहे थे।

धुले में एक वरिष्ठ संपादक ने बताया कि कोविड के बाद स्थिति बदल गई, लेकिन चूंकि समाचार पत्रों की खपत पर नीति पुरानी थी, इसलिए जिला सूचना कार्यालय में किस तरह से शोषण होता है यह बताया। जब सभी क्षेत्रों को छूट दी गई है तो अखबारों को क्यों नहीं? उन्होंने यह सवाल उठाया।इस बात से आश्वस्त होकर कि इस यात्रा का मुख्य विषय हमारे जीवन और व्यवसाय की समस्याएँ हैं, गाँव-गाँव से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लिया। पत्रकारों पर नियमित रूप से चाय-बिस्कुट, बदमाश, पैसे का लालची होने का आरोप लगाया जाता है और जो लोग अपना काम करते हैं, उनका पीछा किया जाता है। जो लोग इस क्षेत्र में ईमानदारी से काम करते हैं उन्हें मीडिया समूह द्वारा या तो बदनाम किया जाता है या बहिष्कृत कर दिया जाता है। ऐसे में पत्रकारों को क्या करना चाहिए? यह प्रश्न यथावत बना रहा।

२४ दिन की यात्रा के दौरान कुछ स्थानों पर देर रात कई बड़े मीडिया समूहों के संपादकों और प्रबंधकों ने आकर मुलाकात की। उन्होंने अपना दुख भी व्यक्त किया। लेकिन उन्होंने निराशा व्यक्त की कि हम खुलकर बात नहीं कर सकते। केंद्र और राज्य सरकार के बजट में मीडिया क्षेत्र के लिए एक रुपये का भी प्रावधान नहीं है। इस संबंध में हर जगह सवाल उठाने के बाद, पत्रकारों, समाचार पत्र विक्रेताओं और आम तौर पर मीडिया क्षेत्र के लिए पत्रकारों और संपादकों के सहयोग से एक स्वतंत्र आर्थिक विकास निगम की स्थापना की जानी चाहिए इस मांग पर जोर दिया गया। यदि सरकारी तंत्र प्रत्येक इकाई को न्याय देते समय वोटों की संख्या को ध्यान में रखकर निर्णय लेगा तो पत्रकारों को भी अपने पास मौजूद वोटों की संख्या पर विचार करना होगा। यह विचार जगह-जगह से सामने आया। सांगली, कोल्हापुर, सातारा, बारामती, पुणे, रायगढ़, ठाणे क्षेत्रों के शहरी और ग्रामीण पत्रकारों ने जगह-जगह स्वागत किया।

मुंबई में यशवंतराव चव्हाण फाउंडेशन के सभागार में राज्य भर से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। एक ही समय पर दिल्ली दौरे के कारण मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का उपस्थित रहना संभव नहीं था। इसलिए वरिष्ठ मंत्री चंद्रकांत दादा पाटील, मुंबई के पालक मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने आकर सरकार की ओर से बयान स्वीकार किया और मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में बैठक की और आश्वासन दिया कि पत्रकारों की मांग पर तत्काल निर्णय लिया जाएगा।

दीक्षाभूमि नागपुर से मंत्रालय मुंबई तक २४ दिनों की यात्रा, २७ जिलों के १५० से अधिक तालुकाओं से होकर यात्रा करते हुए इस यात्रा ने मीडिया क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को उजागर किया। संवाद यात्रा के बाद क्या? इस सवाल पर ३९५ दिन में सिर्फ एक बार सरकारी तंत्र से अपनी समस्याओं के लिए सवाल पूछना चाहिए यह भावना पत्रकारों के मन में पनपी। लोगों के मुद्दे उठाने वाले पत्रकार खुलकर अपनी पीड़ा व्यक्त कर रहे हैं, सरकारी तंत्र से अपने सवाल पूछ रहे हैं। इसलिए, राजनीतिक व्यवस्था भविष्य में मीडिया क्षेत्र की मांगों को नजरअंदाज नहीं कर सकती है। यह देखकर प्रसन्नता हुई कि इस संवाद यात्रा से पत्रकारों में विश्वास पैदा हुआ है।

-वसंत मुंडे

धन्यवाद !